No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

09210

जून, 2015

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गयी हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और :
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है

(ख) कितनी दूरियों से कितनी बार
कितनी डगमग नावों में बैठ कर
मैं तुम्हारी ओर आया हूँ
ओ मेरी छोटी-सी ज्योति !
कभी कुहासे में तुम्हें न देखता भी
पर कुहासे की ही छोटी-सी रूपहली झलमल में
पहचानता हुआ तुम्हारा ही प्रभा-मंडल ।
कितनी बार मैं,
धीर आश्वस्त, अक्लान्त –
ओ मेरे अनबुझे सत्य । कितनी बार ...

(ग) चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी
धीरे-धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले
फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी मौन थे सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी
खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रखकर
सधे क़दम रख करके आये
लोग सिमट कर आँख गड़ाए
लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी

(घ) जीवन की जटिल समस्या
है बढ़ी जटा-सी कैसी
उड़ती है धूल हृदय से
किसकी विभूति है ऐसी ?

(ङ) इतने में अँधियारे सूने में कोई चीख गया है
रात का पक्षी
कहता है :
वह चला गया है,
वह नहीं आयेगा, आयेगा ही नहीं
अब तेरे द्वार पर ।
वह निकल गया है गाँव में शहर में
उसको तू खोज अब
उसका तू शोध कर ।

2. छायावाद की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए, सिद्ध कीजिए कि प्रसाद छायावाद के एक बड़े कवि हैं । *16*

अथवा

दिनकर के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *16*

3. नागार्जुन के काव्य में संवेदना के विविध रूप दृष्टिगत होते हैं, सोदाहरण उल्लेख कीजिए । *16*

अथवा

सुमित्रानंदन पंत 'प्रकृति के सुकुमार' कवि हैं । सिद्ध कीजिए । *16*

4. अज्ञेय के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ बताइए । *16*

अथवा

श्रीकांत वर्मा के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *16*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) प्रगतिवादी काव्य

(ख) उर्वशी के कथा-तत्त्व की विशेषताएँ

(ग) राष्ट्रीय धारा के कवि मैथिलीशरण गुप्त

(घ) भारतीय नवजागरण में भारतेन्दु का स्थान

———